साहित्य विविधा
एक विमर्श

891.433/JAW/JAM
001-007690
Acc. No.:SR-7690

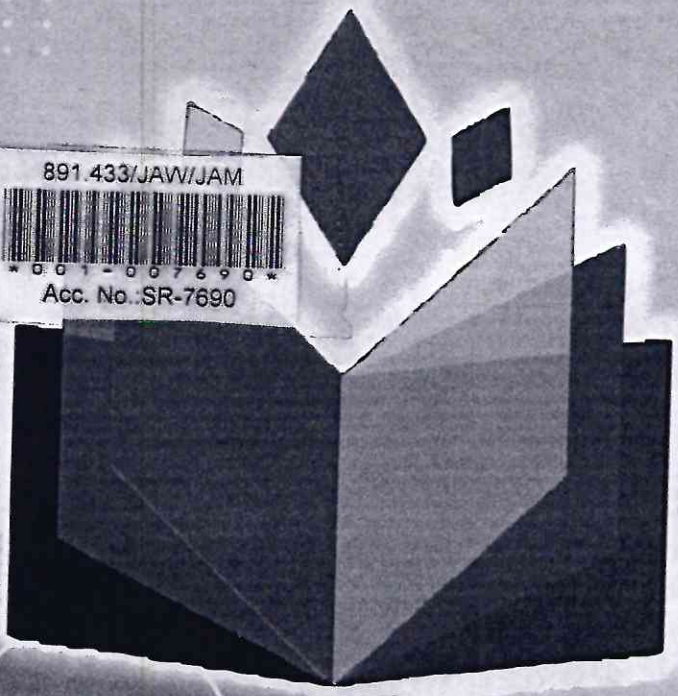

संपादक

डॉ. नानासाहेब जावळे, डॉ. मनोहर जमदाडे

9. संकटमोचन बने मित्र की कहानी 'अकबरी लोटा'
   - डॉ. राजेंद्र खैरनार
10. पिता-पुत्र संघर्ष की मीमांसा 'प्रतिशोध'
   - डॉ. राजेंद्र खैरनार
11. 'जूही की कली' कविता में प्रकृति का मानवीकरण
   - डॉ. मनोहर जमदाडे
12. महाकरुणा से ओतप्रोत 'मैं नीर भरी दुख की बदली!'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
13. विरह व्यथा का सुंदर विवेचन 'कालिदास'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
14. भ्रष्ट राजनीति की पोल-खोल 'रोटी और संसद'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
15. धार : किसान जीवन का विदारक चित्रण
   - डॉ. मनोहर जमदाडे
16. बाजारवादी संस्कृति पर कडा प्रहार 'आदमी को प्यास लगती है'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
17. आम आदमी के अंधकारमय जीवन पर प्रकाश 'रौशनी के उस पार'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
18. आदिवासी संस्कृति से लगाव 'उतनी दूर मत ब्याहना बाबा'
   - डॉ. मनोहर जमदाडे
19. किताबों की उपेक्षा : 'किताबें झांकती हैं बंद अलमारी के शीशों से'
   - डॉ. मनोहर जमदाडे
20. बहन के प्रति व्यक्त कृतज्ञता 'नींव की ईंट हो तुम दीदी'
   – डॉ. नानासाहेब जावळे
21. संवाद कौशल (भाषण कला) – प्रा. अच्युत शिंदे

[illegible] सूत्र संचालन - प्रा. नामदेव शितोळे
[illegible] समूह चर्चा – डॉ. शीतल माने
[illegible] यूनिकोड की जानकारी – डॉ. जयराम गाडेकर
[illegible] इंटरनेट एक अविष्कार - डॉ. सारिका भगत
[illegible] हिंदी सॉफ्टवेयर की जानकारी - डॉ. जयराम गाडेकर
[illegible] स्ववृत्त लेखन - प्रा. रवींद्र ठाकरे
[illegible] निबंध-लेखन - प्रा. अनिल झोळ
[illegible] विज्ञापन लेखन - डॉ. प्रमोद पडवळ
[illegible] वाक्य शुद्धिकरण - प्रा. नानासाहेब गोफणे

25.

इंटरनेट एक अविष्कार

- डॉ. सारिका भगत

इंटरनेट कोई अविष्कार न होकर कंप्यूटर और टेलिकॉम कनेक्शन से बना एक संजाल है | सूचना का संचार करने के लिए उपयोग में लाया जानेवाला तकनीक है, जिसके द्वारा सूचना का निरंतर आदान-प्रदान होता है | इंटरनेट बहुत से स्थानीय नेटवर्क का मिला-जुला रूप है | डॉ. प्रतिभा पाठक के अनुसार "विश्व में अलग अलग स्थानों पर स्थित अनेक कम्प्यूटरों को एक नेटवर्क के द्वारा आपस में जोड़ा जाता है | इस नेटवर्क के माध्यम से सूचना के संचार के लिए बनाई गई एक -एक विशेष प्रकार की प्रणाली ही इंटरनेट कहलाती है|"[1] इंटरनेट संजाल के संदर्भ में कहा जा सकता है कि, "इंटरनेट एक दूसरे से जुड़े कई कम्प्यूटर्स का बहुत बड़ा जाल है। जो पूरी दुनिया में फैला हुआ है। ऐसा नेटवर्क जिसमें इतने सारे कम्प्यूटर जुड़े हुए हैं जिसकी गिनती करना असंभव जैसा है। ये नेटवर्क सर्वर के माध्यम से किसी भी कम्प्यूटर को एक साथ जोड़ता है। जब पूरी दुनिया के कम्प्यूटर जुड़ के एक नेटवर्क बनाते हैं तो उसे ग्लोबल नेटवर्क बोला जाता है। इस माध्यम से दुनिया के किसी भी हिस्से में कोई भी वेबसाईट खोल कर आर्टिकल पढ़ सकते हैं, वीडियो देख सकते हैं।"[2]

इंटरनेट का आरंभ -

"इंटरनेट का जन्म सन १९६९ में हुआ है | अमेरिका के उन्नत रक्षा अनुसंधान परियोजना एजेंसी ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों को अनुसंधान करने के लिए परियोजना दी थी उसका विषय था - 'दो या अधिक कम्प्यूटरों के बीच संवाद कैसे स्थापित हो?' वस्तुतः अमेरिका की रक्षा अनुसन्धान परियोजना एजेंसी को परमाणु हमले या प्राकृतिक विपदा होने पर भी संचार का कार्य कायम रहने के लिए एक माध्यम चाहिए था | इस परियोजना में लियोनार्ड क्लीनराक नामक शोध छात्र को सफलता मिली | आज वह कैलिफोर्निया विश्विद्यालय में इसी विषय का प्रोफेसर है | इसी संस्था ने इस परियोजना को नाम दिया - इंटरनेट |"[3]

इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास

- सन् 1969 टिम बर्नर्स ली ने इंटरनेट बनाया था।
- सन् 1979 में ब्रिटिश डाकघर ने पहला अंतरराष्ट्रीय कम्प्यूटर बनाया।
- सन् 1996 में 65 ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एक अनुसंधान परियोजना शुरू की।

- सन् 2009 में डॉ. स्टीफन वोल्फरैम ने 'वोल्फरैम ऐल्फा' सर्च इंजन लाँच किया।
- भारत में इंटरनेट सेवा का आरंभ 15 अगस्त, 1995 में विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा आरंभ किया गया।

इंटरनेट की उपयोगिता

इंटरनेट एक ऐसा शब्द जिसके बिना अब शायद जीना भी मुश्किल हो जाएगा | क्या आपने कभी सोचा है कि आजकल के ज़माने में अगर एक दिन, एक घंटे या सिर्फ एक मिनट के लिए भी इंटरनेट बंद हो जाए तो क्या होगा....? इंटरनेट के सिर्फ एक मिनट भी बंद हो जाने से पूरी दुनिया में लाखो करोड़ों रुपयों का नुकसान तो होगा ही इसके साथ-साथ बर्बादी का मंजर भी देखना पड़ सकता है |

इंटरनेट इन दिनों हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इंटरनेट से हम बहुत से काम कर सकते हैं। आज मिनटों में इंटरनेट पर गूगल की सहायता से कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, इंटरनेट के विकास से हम जीवन के हर पहलू में उन्नति कर रहे हैं। हमारा काम आसान हो रहा है, समय की बहुत बचत हो रही है। जरूरत के अनुसार आज इंटरनेट विभिन्न प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल हो रहा है। इसके मुख्य उपयोग इस प्रकार है -

१. व्यापार को बढ़ावा - जैसे की हम जानते हैं अब इंटरनेट घर-घर में अपनी जगह बना चूका है | इसीलिए इंटरनेट के माध्यम अगर आप चाहें तो अपने व्यापार को बहुत आगे ले जा सकते हैं | विश्व की सभी बड़ी कंपनियां अपने व्यापार को और आगे ले जाने के लिए इंटरनेट की मदद ले रही हैं | विश्व की सभी कंपनियां ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, एफिलिएट मार्केटिंग और वेबसाइट की मदद से अपने व्यापार को इंटरनेट के माध्यम से पूरे विश्व भर में फ़ैलाने की कोशिश कर रही हैं |

२. संचार – इंटरनेट इस्तेमाल करके आजकल हम बहुत आसानी से हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों से संपर्क कर सकते हैं | अब लोग न केवल चैट कर सकते हैं विडियो कॉन्फरेंसिंग भी किया जा सकता है | ईमेल व सोशल नेटवर्किंग इसके उदाहरण हैं |

३. अनुसंधान - अनुसंधानकर्ता को सैकड़ों पुस्तकों और आलेखों का अध्ययन करना पड़ता है | इंटरनेट में बस आपको अपने विषय को खोजना होता है | सैकड़ों उल्लेख आपके सामने प्रकट हो जाते हैं | अब चूँकि इंटरनेट आपकी सेवा में मौजूद है आपका अनुसंधान फौरन प्रकाशित किया जा सकता है ताकि बहुत से लोग उसका लाभ उठा सकें |

४. नेट बैंकिंग – इंटरनेट बैंकिंग के द्वारा अब लोग घर बैठे ही बैंकिंग सेवा का इस्तेमाल करने लगे हैं | जिससे बैंकों की भीड़ बहुत कम हो गई है | जमा - निकासी से लेकर दूसरों के खाते में पैसा अब कुछ मिनटों में जाता है |

५. ऑनलाइन समाचार – आज हमें रेडिओ और टीवी देखने की भी जरुरत नहीं पड़ती और हमें सारा ताजा समाचार हमारे फोन में ही मिल जाता है | इसका सारा श्रेय इंटरनेट को जाता है इसी की बदौलत आज हम देश विदेश, खेल कूद, मनोरंजन, हर तरह के समाचार अपने फोन में newspaper की तरह और टीवी की तरह वीडियो वाले समाचार भी देख सकते हैं |

६. शिक्षा का क्षेत्र – शिक्षा के क्षेत्र में नेट की सुविधा से किसी भी विषय के किसी खास टॉपिक को भी सर्च कर सकते हैं | इसके अतिरिक्त ऑनलाइन क्लासेस भी कराये जाते हैं | Udemy जैसी वेबसाइट है जो ऑनलाइन कोर्सेज करवाती है | यूट्यूब में जाकर कोई भी किसी टॉपिक पर बने वीडियो देखकर पढ़ और समझ सकते हैं |

७. मनोरंजन – इंटरनेट का उपयोग मनोरंजन के साधन के रूप में किया जाता है | मनोरंजन के क्षेत्र विकल्प असीमित है | इसके माध्यम से हम फिल्में, गाने, वीडियों अदि को देख तथा सुन सकते हैं | पढ़ने के शौकिन अपने मनपसंद लेखक को पढ़ सकते हैं | इंटरनेट के माध्यम से किसी भी देश के सिनेमा और संगीत को आसानी से देखा और सुना जा सकता है | यूट्यूब में लाखों Videos, Songs, Movies हैं जिससे लोग अपना मनोरंजन करते हैं |

८. ऑनलाइन बुकिंग – इंटरनेट की मदद से आज के ज़माने में घर बैठे बैठे बस, ट्रैन, प्लेन के सफर का बुकिंग आसानी से हो जाता है | इसके लिए बस अड्डे, रेलवे स्टेशन, एयर लाइन आफिस जाने की जरुरत नहीं है |

९. नौकरी खोजना - इंटरनेट में अनगिनत वेबसाइट हैं जो उपलब्ध नौकरियों के बारे में सूचित करते रहते हैं | आपको केवल इनके साथ रजिस्टर करना होता है | वे आपको ईमेल भेजकर उपलब्ध नौकरियों के बारे में सूचित करते हैं और साथ में आपको अच्छी नौकरी चुनने में मदद भी करते हैं |

१०. चिकित्सा का क्षेत्र - मेडिकल क्षेत्र में इंटरनेट के इस्तेमाल से लोगों को फायदा हुआ है | नेट सर्वर का इस्तेमाल करके हॉस्पिटल के हर मरीज का रिकॉर्ड दर्ज करके ऑनलाइन रखा जाता है | हाई स्पीड इंटरनेट का इस्तेमाल करके अमेरिका में रहने वाला एक डॉक्टर लंदन के एक मरीज का ऑपरेशन कर लेता है | इसका पूरा श्रेय नेट कनेक्शन को ही जाता है |

११. सोशल मीडिया - आज के समय में फेसबुक और व्हाट्सएप्प ऐसी सर्विसेज हैं जो हर स्मार्टफोन यूजर इस्तेमाल करता है | इससे Voice Messege और

Video से भी बात कर सकते हैं | इसका सबसे अनोखा लाभ ये हैं कि लोगों के बीच की दूरी ख़तम हो चुकी है |

१२. ऑनलाइन शॉपिंग - इंटरनेट के आ जाने से आज घर बैठे आप दैनिक जरुरत की हर चीज खरीद सकते हैं | अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, टाटा क्लिक, बिग बास्केट, बुकगंगा, फर्स्ट क्राई जैसी बहुत कम्पनिया हैं जो ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले लोगों को होम डिलीवरी की सर्विस देती हैं |

१३. भुगतान का क्षेत्र - इंटरनेट के उपयोग से हमें बिल भुगतान करने के लिए सर्विस सेंटर पर जाने की आवश्यकता नहीं है | हम घर बैठे ही गैस बिल, इलेक्ट्रिसिटी बिल, डिश टीवी बिल, क्रेडिट कार्ड बिल, मोबाइल बिल आदि ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं |

इसके अतिरिक्त कुछ ऐसी बड़ी कंपनी है जो अपने कर्मचारियों के लिए घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से काम करने की सुविधा देते हैं | कई ऐसी ऑनलाइन मार्केटिंग और कम्युनिकेशन से जुडी कंपनियां हैं जिसके कर्मचारी अपने घर पर ही लैपटॉप और मोबाइल फोन पर इंटरनेट के माध्यम से मार्केटिंग का काम करते हैं | इसके साथ ही गूगल मैप, मौसम की जानकारी, खाद्य पदार्थ बनाने की रेसिपी इंटरनेट पर उपलब्ध होती हैं |

आज इंटरनेट हर जगह प्रयोग हो रहा है, विगत कई वर्षों में लोग इससे इस तरह जुड़ गए है कि आने वाले समय में बिना इंटरनेट के किसी भी तकनीक की कल्पना करना संभव नहीं होगा | आज कोई भी क्षेत्र इंटरनेट से अछूता नहीं है, आज भारत में इंटरनेट की वजह से ई - गवर्नेंस का लाभ गावों एवं पंचायतों को मिल रहा है| इस तरह से अनेकों लाभ आज हमें इंटरनेट से मिल रहे हैं |

इंटरनेट के नुकसान

जैसे हर सिक्के के दो पहलू होते हैं ठीक उसी तरह इंटरनेट के साथ भी ये बात लागु होती है | दुनिया में प्रत्येक चीज़ की एक सीमा होती है किसी भी चीज़ की अधिकता होने पर उसका दुष्प्रभाव दिखाई देने लगता है | इंटरनेट जितना लाभदायक है उतना ही हानिकारक भी है | उसके प्रमुख नुकसान निम्नलिखित हैं |

१. वक्त का दुरूपयोग - कुछ लोगों को नेट की इतनी बुरी लत लग जाती है कि उन्हें किसी काम का ख्याल नहीं रहता और ऐसे में लोग बस अपने वक्त की बर्बादी करते हैं |

२. पहचान की चोरी, हैकिंग, वायरस और धोखाधड़ी - सोशल मीडिया में हम अपने बारे में बहुत सारी डिटेल्स डालते हैं जो कि कभी कभी बुरे लोगों के जरिये Access कर ली जाती है| जो हमारे लिए बहुत हानिकारक हो सकता है | इंटरनेट के मदद से आपके जरुरी जानकारियों को भी हैक कर सकते हैं | आपके अकाउंट का

गलत उपयोग भी नेट में किया जा सकता है | इंटरनेट के माध्यम से ही हमारे कंप्यूटर और मोबाइल फोन पर वायरस आने का खतरा रहता है | सबसे बड़ा खतरा ये है की किसी भी इन्फॉर्मेशन को यह वायरस destroy करके लाखों करोड़ों का नुकसान कर सकता है | इसलिए एक अच्छा एंटीवायरस प्रोटेक्शन होना बहुत जरुरी होता है |

३. बच्चों पर बुरा असर आजकल बच्चों को भी मोबाइल दे दिया जाता है| मोबाइल में Pornography Contents को एक्सेस करना बहुत आसान है इससे बच्चों पर बहुत बुरा असर पड़ता है|

४. समाज पर बुरा असर- कभी-कभी सोशल मीडिया साइट्स और ग्रुप्स में अकाउंट को एक्सेस करके बुरे Message को छोड़ दिया जाता है | ये Message ऐसे भी होते हैं जो समाज पर बुरा असर डालते हैं |

५. स्वास्थ्य पर बुरा असर - इंटरनेट से कई प्रकार के बुरे प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ते हैं | इंटरनेट के अतिरिक्त इस्तेमाल से वज़न बढ़ना, पैरों और हाथों में दर्द, आँखों में दर्द और सूखापन, कमर में दर्द और मानसिक तनाव आदि बीमारियाँ जड़ सकती हैं|

इंटरनेट के फायदे और नुकसान दोनों है | यह निर्भर करता है कि इस्तेमाल करनेवाला व्यक्ति इसे किस रूप में अपनाता है |

"कुल मिलाकर दुनिया की हर गली की जानकारी इंटरनेट के जरिये आज आसानी से उपलब्ध है | इंटरनेट के कारण दुनिया एक ग्लोबल व्हिलेज (वैश्विक गाँव) बन गई है | विक्रेता - उपभोक्ता के लिए तो इंटरनेट वरदान सिद्ध हुआ है | निश्चय ही इंटरनेट की दिशा संकेत मानव जीवन के लिए उपादेय सिद्ध हुए हैं | लेकिन आज कई दिशा संकेत दशा संकेत भी बन बैठे हैं | इसके लिए मानव ही जिम्मेदार है क्योंकि इंटरनेट का उपयोग अच्छे काम के लिए करना है या बुरे काम के लिए यह बात तो उपभोक्ता अर्थात मनुष्य पर ही निर्भर है न ? " [४]

संदर्भ ग्रंथ -

१. राष्ट्रवाणी, फरवरी - मार्च २०१८ , पृ - २४
२. साहित्य विविधा, हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे , पृ -१४५
३. राष्ट्रवाणी, फरवरी - मार्च २०१८ , पृ- ३० ,३१ पृ - २४
४. राष्ट्रवाणी, फरवरी - मार्च २०१८ , पृ- ३० ,३१

डॉ. सारिका भगत
श्री पद्मणि जैन महाविद्यालय, पाबल
तहसील - शिरुर, जिला - पुणे